

अ. के. राँय
के. अम. अल. पाठक

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
जोड़बीड़, बीकानेर-334 001 (राजस्थान) भारत

हं
और
हं



हं अण्ट हं



राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
जोड़बीड़, बीकानेर-334 001 (राजस्थान) भारत



— **छापणियां**

प्रोफेसर के. अम. अेल. पाठक
निदेसक, रा. उ. अनु. केन्द्र

— **लेखण**

अ. के. राँय
के. अम. अेल. पाठक

— **हिन्दी उळथो**

नेमीचन्द बारसा

— **राजस्थानी उळथो**

मोहन लाल शर्मा

अप्रैल-2009

— **छापण आळां**

आर. जी. असोशिअेट्स
बीकानेर-334 001
मो. 9414603856

विगतवार

- | | |
|--|----|
| 1. हूं अूण्ट हूं | 5 |
| 2. हूं कठै रेवू हूं ? | 6 |
| 3. हूं कांअी खारूं हूं ? | 6 |
| 4. हूं कितौ पाणी पीवूं हूं | 7 |
| 5. म्हारिं बोज्जो ढोवण री खिमता | 7 |
| 6. म्हारिं सवारी रीं तजरबो | 8 |
| 7. हूं रेगिस्तान रो जहाज ओळखी ज्यूं | 9 |
| 8. हूं म्हारे संगी साथ्यां सूं कींकर अळगो हूं | 10 |
| 9. म्हारो यौन व्यवहार | 11 |
| 10. म्हारी जणण खिमता | 13 |
| 11. म्हारों स्वास्थ्य | 14 |
| 12. घणे अुद्देश्यां री अुपयोगिता | 14 |
| 13. रखरखाव पर खरचो | 15 |
| 14. राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र रो बड़ाअी गाण | 16 |

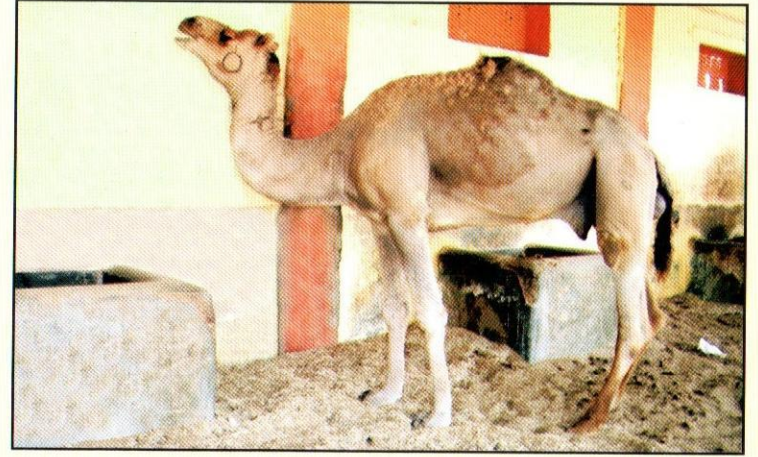
हूं अण्ट हूं

सुणो ! हूं अण्ट हूं— लोग म्हनें हिन्दी मायं अिणी नाम सूं ओळखे। अेक कूब होवण सूं जीव विज्ञानी म्हनें कैमलस ड्रोमेडेरियस अर दो कूब होवण सूं कैमलस बैक्ट्रिएनस् कैवे। हूं रेत मांय रैवण आळो हूं जिंको जंगळा अर पालतू जिनावरां रै रूप मांय दुनियां रे घण करै भागां मांय पायो ज्यावूं हूं। सोमालिया अर दूजे अफरीकी देसां मांय म्हांरी गिणती सिगळा सूं घणी है। भारत मांय अंदाजन म्हे 6.30 लाख हां। खासकर राजस्थान, गुजरात, हरियाणा अर पंजाब राज्यां मांय रैव हा। म्हें, ड्रोमेडेयस या अेक कूब आळा री घणकरी गिणती राजस्थान राज्य मांय होवे जद कि म्हें बैक्ट्रियन या दो कूबां आळा जम्मू—अर—कश्मीर राज्य रे लेह अर लद्दाख री नुबरा घाटी



मांय रैवा हां। हूं म्हारे पालण आळे रे बहोत ही काम मांय आवण आळो पालतू जिनावर हूं जिंका म्हनें दूध अर बोझो ढोवण रे खातर

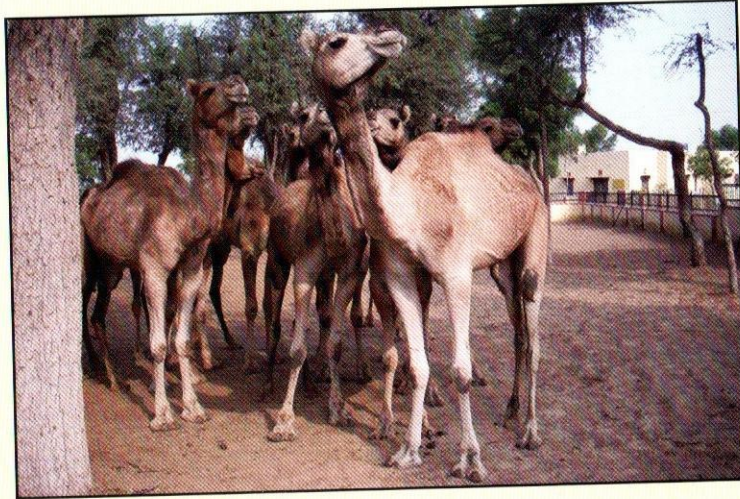
पाळे। राजस्थान नहेर रे बणावण बखत हूं रेत रे टीबां ने हटावण सारूं महतम कारज करयों। पैली अर दूजी दुनियां री लड़ाी मांय बीकानेर कैमल फोर्स या गंगा रिसाला रे रूप मांय म्हांरी अिताहास सरावण जोग घणी तारीफ करी जी। कैयो जावे है के नेपोलियन 1798 मांय मिसर रे धोरों रे लड़ाी मांय म्हांरी मदद ली। हूं रेतीले



धोरों मांय घोड़ा सूं घणो चोखो हूं। अगरेजां री फौज भारत अर अफगानिस्तान मांय लड़ता बखत म्हांरी ताकत रो घणोअीज कमाल देख्यो। ओंज्यूताअी घणकरे देसां मांय पुलिस कानून अर हालात बणावण खातर म्हनें काम मांय लेवे। हूं रेगिस्तान री हालात सारूं म्हारे चरावणियां अर बांरी संस्करति रो खास भाग हूं। अबार म्हांरी गिणती मांय कमी आयरैयी है अिण रै खातर समाज भूगोल अर आर्थिक कअी कारण जिम्मेवार होवे। खेती जोग बधती धरती सूं चरण आळी जगां घट रैयी है। अिणी कारणे म्हनें पालणियां रे

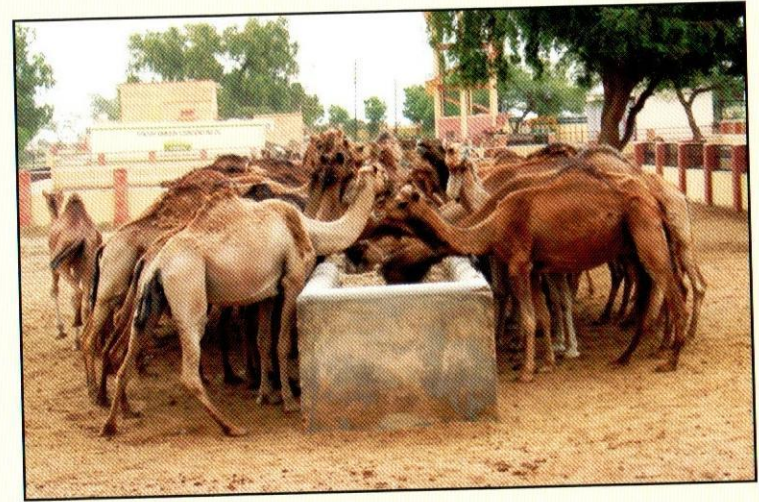
खातर म्हने घणकरो खेत अर मूंगो चारो खुवाणवो दोरो होयगो। मसीना रे घणे अुपयोग जिकों तेजी सूं होयरैयो है अर सड़क्यां वणण सूं हूँ बेकार होय रैये। लोग बाग मसीनों रो अुपयोग सवारयां ने लावण लेजावण रे खातर चालू कर दियो। खेती मायं ट्रेक्टरां रो अुपयोग जिण तरिया बध रैयो हो म्हारी बोझा ढोवण आळे जिनावर री छवि ने कम कर दियो। म्हारी दूजे पालतू जिनावरां बकरी अर गाय सूं सागिडी टक्कर होवे कै बै जिनावर पालण मायं कम खर्चीला अर पालण आळा ने घणा पअीसा दिरावे। पढाअी लिखाअी रे बधण कारणे सूं म्हारा खानदानी अूण्ट पालणीयां री गिणती मायं कमी आय रैयी है। अिणसूं आदम जात या दूजा पालतू जिनावरां ने कीं नुकसान करियां बिना म्हने राखण री खास टोळे जरूरत होवे।

हूँ कठै रेवू हूँ ?

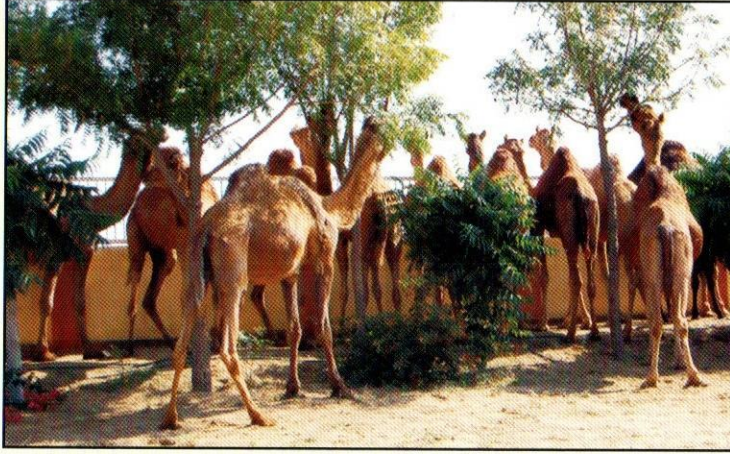


हूँ कीं बाड़े या छपरें मायं नीं रैवूं पण खुले मायं रैवू हूँ। म्हारी नास्यां मायं लकड़ी य प्लास्टिक री गिरबाण रे सहारे मोरी बांध देवे। आ मोरी खासकर झूठ सूं म्हारे पर रोक राखे। आ मोरी म्हारी सवारी या सफारी रे बखत गैल बतावण सारुं काम आवै है।

हूँ कांअी खावूं हूँ ?



हूँ रेतीळी धरती मायं चरणैन ज्यावू हूँ। बठै हूँ रूंखा री पत्त्यां, झाड़या अर घास जिसी और कोअी बनस्पति होवे हूँ खा लैवूं। म्हने जद धणो बोझो लादण खातर काम मायं लगावै जद म्हनें बच्योड़ो चारौ, जियां मोठ रो चारों, चणे री खार या ग्वार री फलगटी खावण खातर दैवे। जै म्हारी किस्मत घणी चोखी होवे तो कदै-कदै संगठित फामाँ मायं म्हने चारे रे सागे संपूरक रे सागे सांद्रण अर



खनिज मिश्रण खुवावै। अिण हालात मायं घणो चारो होवण सारूं आपसी टकराव टळ जावै अर हूं भारी अर आळसी बण ज्यावूं।

हूं घणकरे चरागाह मायं आपरो जीवणो जीयूं कारण के म्हारों घणी अुंचे दाम री खुराक अर चारौ नीं खुवाय सकें। अर अीं कारणे रूखां री पत्यां अर कांटे आळी झाड़या जियां खेजड़ो, बबूळ, नीम, पालो फोगलो, बेरी, सीवण भरुण्ट, घास आद रेत आळी बनस्पत्यां म्हारो भोजन होवे। दूजें पालतू जिनावरां री बजाय हूं सूखो, रेसे आळा, सेल्युलोज अर बिना साफ करयौड़े प्रोटीन ने आसानी सूं पचाय लूं। म्हारें मुण्डे मायं घणी लार होवण सूं सूखौ अर खुरदरे चारे ने जुगाळ कर पचावण मायं मदद मिले। म्हारे पेट रे अगले भाग रो खिमता अंदाजन 48 लीटर है जिको गाय री तुलना सूं घणो होवे। अिणी खातर हूं किण्वन सूं चोखी तरियां आपरो खाणो पचाय सकूं।

हूं कितौ पाणी पीवूं हूं

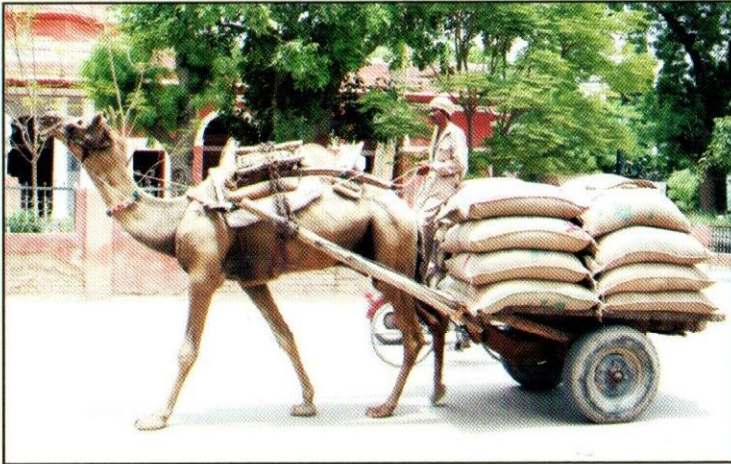
दूजै जिनावरां री भांत म्हने बी तिस लागे। म्हारे अर दूजे बोबे आळें जिनावरां मायं खाली ओहीज भेद होवे कै हूं पाणी बरतण मायं कम खरचीलो हूं। म्हारे डील मायं कोअी अिसी कोथळी नी होवे जिके मायं हूं पाणी भर लूं अर पाणी री जद जरूरत होवे हूं बैने बरत लूं। म्हनें रोजीना म्हारी इच्छा रे मुजब सारु पाणी पाय देवे।



म्हारी बोझो ढोवण री खिमता

म्हारे मायं धीरज, जिम्मेवारी अर हुकुम मानण आळो खास गुण होवे जिको सिखावण अर नियंत्रण रे खातर जरूरी मान्या जावे। म्हनें तकलीफ सैवण री घणी खिमता होवे जिणसूं हूं बिना थक्यां लगोतार काम कर सकूं।

अिणी कारण सूं म्ह सूं घणो काम लैवे अर गैहरी समस्यावां म्हनें घेर लेवे। हूं म्हारी सैहवण री खिमता सू घणो काम कर लैवू तो फेर ठीक होवण खातर म्हने घणो टैम लागे। ओ तो साफ होवे कै काम निपटाण री खिमता म्हारी नसल, अुमर, सररर रो बढाव, खाणो, सुभाव, काम करणे रो तरीको, जुड़ाव करण मायं काम आवण आळी चीज्यां, जमीन रो तळ, प्रकृति अर मौसम पर निरभर करै।

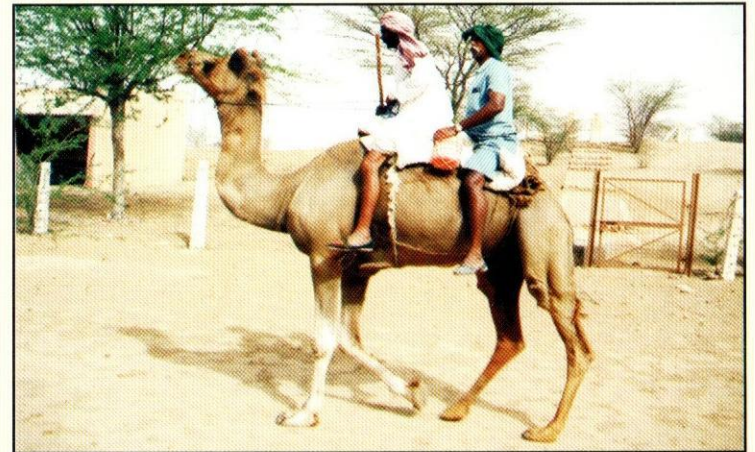


पुराणे जमाने सूं ही म्हनें बोझो ढोवण रे जिनावर खातर बरतै। म्हारी बोझो ढोवण री खिमता, भरियाडो गाडो खींचण, खेती रा काम मांय, गन्नो पेरणे रे खातर, कोल्हू री घाणी चलावण रे वास्ते, कुआं सूं पाणी काढण आद घणकरे कामा मायां बरतै। हूं गाडे मायं लादीज्योडी अलग-2 चीज्यां जियां कै सूखो चारो, सीमेण्ट, घर बणावण री अर बीजां आळी चीज्यां आद लावण लेजावण मायं हूं

सही हूं। हूं गाडे मायं 12 सूं 18 किण्टल बोझे ने 5 किलोमीटर घण्टा री चाल सूं खींच सकूं हूं। हूं घणारी जरूरी जिणसां ने ढोवण मायं सजोरो हूं जटै मसीना सूं माल पूगावणो घणों दोरो होवे बटै हूं चोखी तरिया पूगा दैवूं।

म्हारीं सवारी रीं तजरबो

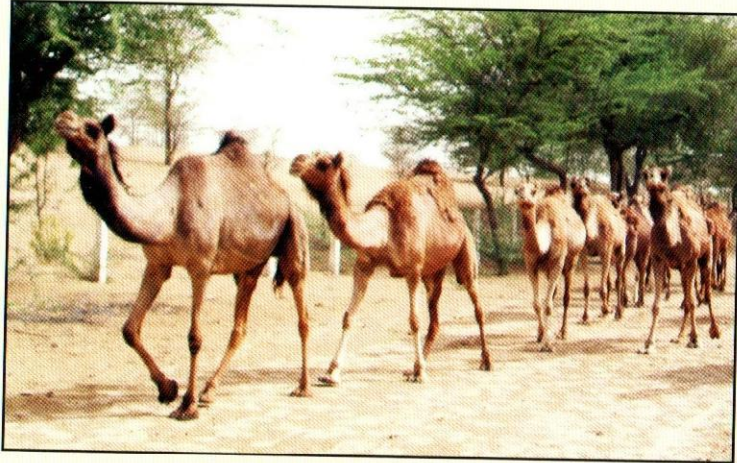
जै म्हारी पीठ पर पलाण कस्योडो होवे आसूं म्हारीं सवारी अर सफारी रो घणो मजो आवै। जद हूं बैस ज्याअूं तो सवार आपरी मरजी रे मुजब म्हारी पीठ पर कस्योडे पलाण सूं अुतर सकै। म्हारीं सवार म्हारी नास्यां मायं बंध्योडी मोरी आपरे हाथां मायं राखे अर आपरे गोडा सूं म्हनें अुठण अर चालण रो अिसारो करै। सीमा सुरक्षा बल अर सेना रा सिपाओी म्हारे पर सवार होयर सीमा री चौकसी अर अंतरराष्ट्रीय सीमा रे धोरां मांय लगावे।



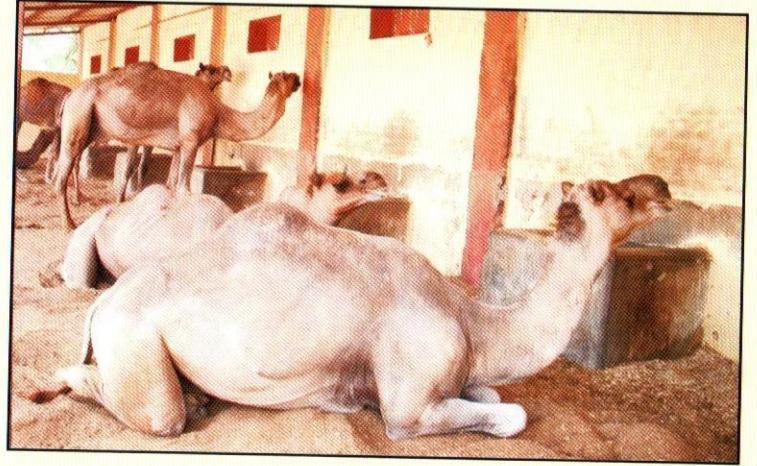
हूं रेगिस्तान रो जहाज ओळखी ज्यूं

हूं धोरां मांय खिलाफ मौसम री अवस्था रे मुजब जी सकूं। हूं राजस्थान रे सूखे अर आधे सूखे अिलाके मायं अेक जरूरी बोझो ढोवण आळे जिनावर रे रूप मायं जाण्यो जावूं हूं। हूं रेत रे अिलाके री गरमी ने आसानी सूं बरदास्त सकूं हूं अर पाणी अर खाणों नीं होवे तो बी हूं घणे समै तांओ काम करण री घणी खिमता राखूं हूं। म्हारी घणी काम करण आळी अनुकूल विलक्षणातायां सूं रेगिस्तान रे जहाज रे कारणं म्हारों होवणो बतावै। म्हारी लांबी नाड़ अर टांग्या म्हनै अुंचै रेत रे धोरा रे पार देखण मायं मदद करै।

गुहा म्हारें होट अर गळे री बण्गट सखत होवणे सूं म्हनें कांटे आळी झाड़या ने चरता बखत कीं तकलीफ नीं होवे। म्हारी पलकां अर भोहां रा लाबां बाळ गरम्यां री धूळ भरी आधियां सूं म्हारी रखवाळी करै। म्हारा गादी आळा चौड़ा पग अर सपाट होवण सूं रेत मायं चालण सूं नीं धंसे।

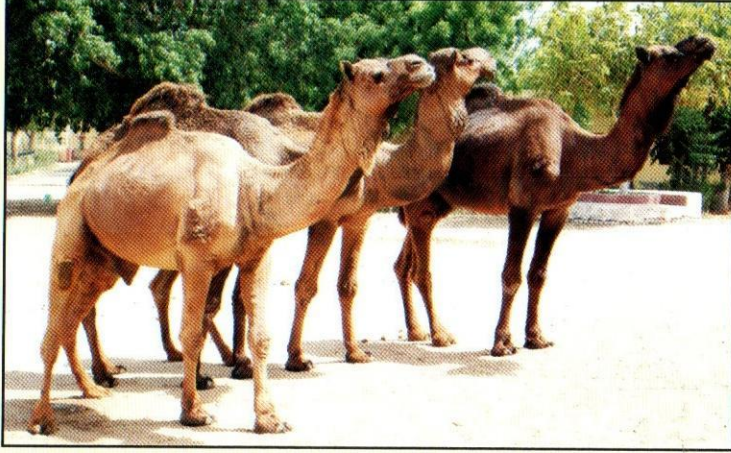


म्हारें सीनें रे बीच मायं काठा ताळवा होवे जिणसूं पेट रे बल बैठता बखत धरती री चुभण अर गरमी सूं बचावै। म्हारी चामड़ी मोटी अर खुरदरी होवण सूं रेतीले धोरों मायं होवण आळी कांटे आळी



झाड़या आद कीं असर नीं करै। हूं आपरीं कूब मायं धणीसारी वसा भेळी कर सकूं जिणसूं अकाल मायं जीवण मिले। वसा सूं ताकत अर पाणी मिले जिणसूं हूं चोखी तरियां जी सकूं। हूं अुंनाळै मायं अिण तरैया बैठूं हूं के कम सूं कम तावड़ो म्हारे डील पर पड़े। दिन मायं धणी तपती होवण सूं धणकरी गरमी म्हारे डील मायं भेळी कर सकूं जिणसूं हूं रात ने चालता बखत अर विकिरणां सूं ठण्डे वातावरण मायं छोड़तो रैवूं। म्हारी नास्यां री बण्गट की ओं तरियां री होवे कै सांस्या छोड़ता बखत बिना जरूरत री गरमी तो बारै निकळ ज्यावे पण पाणी नी कम होवे। म्हारीं नास्यां री श्लेष्मा झिल्ली रा मिंया रौयां निकलण आळी हवा सूं पाणी ने सोख लेवे।

हूं पाणी नी होवण री ओस्था मायं डील रे भार रो अंदाजन अेक तिहाअी भाग घट ज्यावण सूं म्हारें रगत री मात्रा बराबर राखता

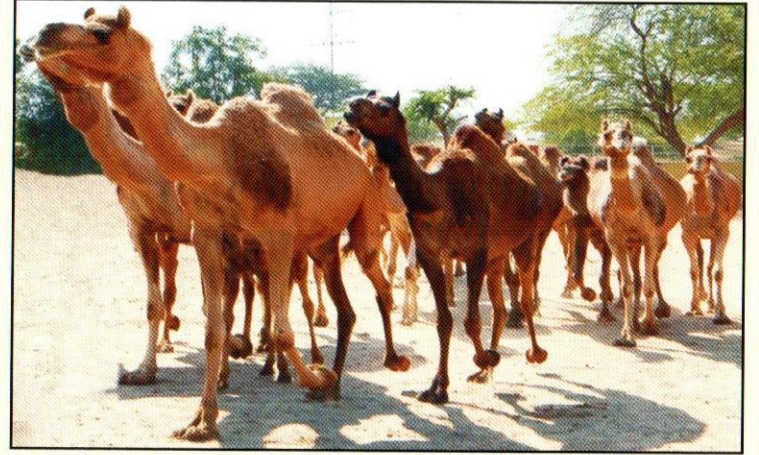


थका बिना किणीं कोजे परभाव सूं जी सकूं हूं। असल मायं दूजें जिनावरां री तुलना मांय म्हारी पाणी री जरूरत अेक तिहाअी है। पण हूं म्हारे डील पर कोअी भी कोजो असर पड़या बिना सौ लीटर सूं घणो पाणी पी सकूं। म्हारे गुर्दा री अुंची काम करण री खिमता सूं पाणी घणी मात्रा मायं सूख जावे होवे। अिणीकारणे म्हारो मूत गाढो होवे। म्हारी मींगणा निकलण मायं कम पाणी निकळें जैसूं म्हारी मींग सूखी होवे। अुंचे पेड़ा री पत्ता चरती बखत म्हारो ताकत आळो काळजे रो रगत चलण आळी प्रणाली माथे मायं जावण आळे रगत ने ठण्डौ राखण मायं मदद करैं। म्हारी लाल रगत री कणिकायें अकेंद्रकीय व घणी बड़ी गोळाअी होवण सूं पाणी रे घणे दबाव ने सै सकै है। अिणी कारणें पाणी री कमी या घणो होवण सूं म्हारे अपर

कोअी अुलटो असर नी पड़े। म्हारे रगत मायं पावण आळो हीमोग्लोबिन भी आक्सीजन री घणी तादाद रे सागै जुड़ण री खिमता राखे।

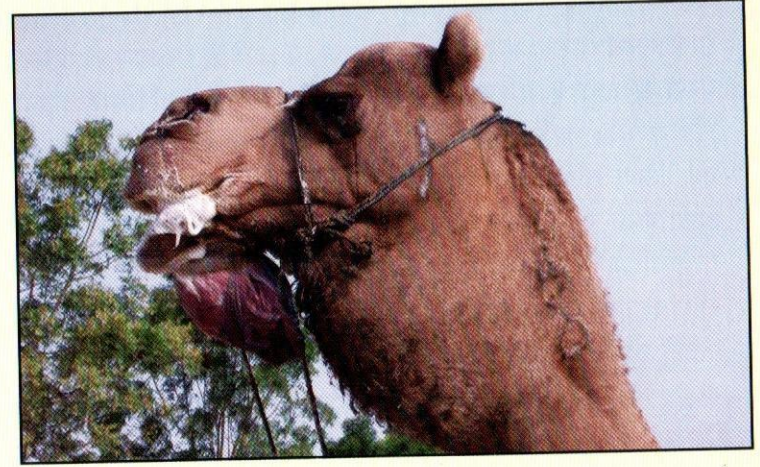
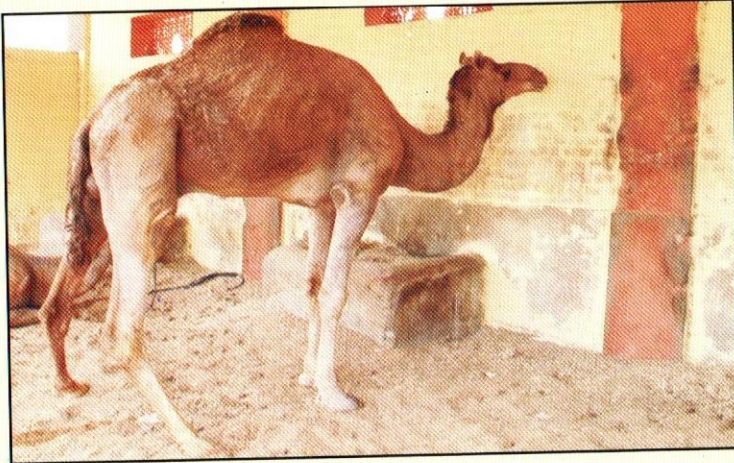
हूं म्हारे संगी साथ्यां सूं कींकर अळगो हूं

म्हारा कीं साथी बीकानेरी, जैसलमेरी, मारवाड़ी अर कच्छी नसल सूं जाणी जे। पण म्हने अुण माणकां री कीं जानकारी नीं होवे जिणसूं अिण नसलां मांय बांट दियो। फेर भी अिण सिगळी नसला मायं घणी बराबरी होवे है। जैव रासायनिक बहुरूपता रे आधार पर करियोड़ी खोज रे नतीजा भी अे बतावै कै हूं म्हारे संगी साथियां सूं आनुवंसिक रूप सूं घणो अळगो नीं हूं। म्हारी अलग-2 समलक्षणताओं रो बेरो करण खातर आखी दुनिया रा खोज करण आळा जांच कर रैया है।



म्हारी यौन व्यवहार

हूं अेक रितु अभिजनक जिनावर जाण्यो जावूं हूं जिके री सक्रिय संसर्गता वरस रे की महीनां तांती सीमित रैवे। औ समै जूठ रो समै जाणीजै जिको नवंबरूं सू मार्च तांती होवे। म्हारी लिंग परिपक्वता रो समै पांच वरस री अुमरूं होवे ओ जळवायु नसल अर राखण री अवस्थाूं जाणीजे। जे खाणो अर राखणो सही होवे तो हूं सिगळे प्रजनन काल मांयं 2-3 अूण्टणियां ने रोजीना अर 50-60 अूण्टणियां ने प्रजनन खातर मिल सकूं। हूं रट या मस्ती मांयं आवणूं सूं घणो जोस या मदमातो आळो बण जांवु। मस्ती मांयं हूं बार बार दांता ने पीसूं अर नाड लारै ले जावूं। लारलै पगां ने चौड़ा कर हूं खडयो हो जावूं। अिण बखत भूख कम लागणूं सूं म्हारें खावण पीवण मांयं कमी हो जावै। हूं म्हारी पूंछ सूं म्हारे मूतूं सूं म्हारी पीठ ने भिजाअूं अर बार बार मूतूं। हूं ताळवे मांयं हवा भर ढोल री तरियां



फुलायं फररररर- जिसी आवाज जोरूं काढूं। जिण बखत म्हारा अण्डकोष तेज होवे अुणी बखत दूजी अूण्टणियां मांयं पुटक बढण री गतिविधियां चालूं रैवे। म्हारी पोल ग्रंथियां सूं अेक गाढे भूरे रंग रो तरळ गरदन अूं नीचे री ओर बैवे। पोल ग्रंथिया सूं तरल अूण्टणियां रे नैडे होवणूं सूं घणो होवे। आ बैवण री किरिया रगत मांयं जनन हारमोनो री मातरा सूं भी परभावित होवें।

प्रजनन काल रे बखत पोल ग्रंथियां सूं अेक बदबू निकळे जिकी अूण्टणियां ने म्हारी तरफ आवण ने खींचे। आ खास बांस गरम्यां या अप्रजननकाल मांयं नी होवे। अप्रजननकाल मांयं होवण आळे पोल ग्रंथियां रो बैवणो आपरे रंग, लैंगिक हारमोनो अर तुलनात्मक रूपूं सूं कम तादाद मांयं होवणे सारूं पैहचाणी जै। जै म्हारो मालक म्हने घणी ताकत आळें काम मांयं लगावे तो हूं म्हारी काम शक्ति बहोत तेजी सूं गंवाय दूं।

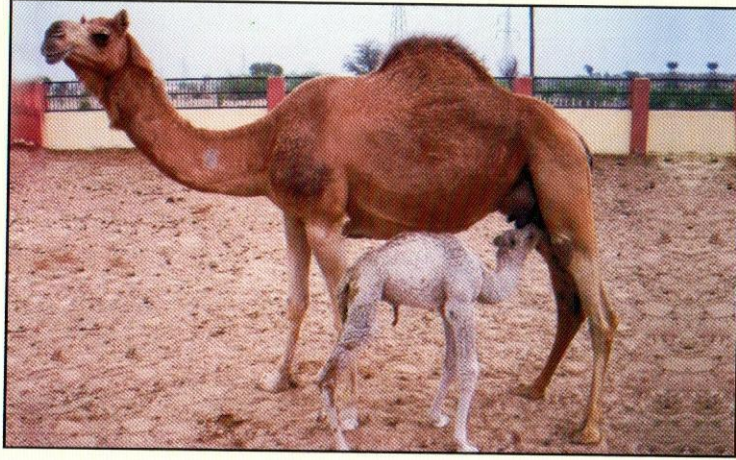
अण्टणियां मायं यौन परिपक्वता 4 बरस री अुमर सूं अर पैलो गरभ धारण अंदाजन 6 बरस सूं हो जावे है। जणन री अुमर 20 बरस सूं घणी होय सके। फारम रा घणकरा म्हें आपरो मद चक्र अर लैंगिक व्यवहार जणावों जिको गर्भाधान करण रो सही समै दरसावै। पण अिण तरैयां रा मदचक्र या व्योहार अण्टणियां मायं नी मिलै। अण्टणियां रो लैंगिक व्यवहार अर जापे रे पछे होवण आळी पुटक गतिविधियों रे बीच मांय कोओी आपस मायं संबंघ नी होवे। आमतौर सूं उत्तेजना रा कोओी लखण नी दरसै अर पुटक बढ़त री अवस्था नी जाणी जावे। सिगळे प्रजनन समय मांय पुटक बढ़त परिपक्वता और खतम होवण री क्रियायें चालू रैवे। पुटकां री स्थिति दिखावण आळो सिगळो चक्र अलग अलग जगां री परिस्थितियां अर प्रबंधन पद्धतियां पर निर्भर रैवे।

दूजे पालतू जिनावरां री भांत अण्डोत्सर्जन आपे आप नी



होवे पण लैंगिक संसर्ग रे पाछे होवे। विज्ञान जाणियां रे हिसाब सूं की लैंगिक हारमोन या शुक्रिय प्लाज्मा भी अण्डोत्सर्ग करण मायं सक्षम होवे। ओं तरैया कैये जावण आळे मद काल री अवधि लांबी होवे जिणसूं गर्भाधान रे सही समय री पैचाण करणौ कठिन होवे। अण्टणियां ने घणकरी प्रजनक रे रूप मायं निरख्यो जाय सके जिणसूं की महीना तांओी अंडाशयी गतिविधियां कम अर प्रजनन काल मायं घणी रैवे।

अण्टणियां चैन नीं मैसूस करै अर समागम खातर म्हने आपरी तरफ खींचे। समागम री बखत अण्टणी पेट रे बल बैठ ज्यावे या हूं पेट सूं बैठण रे खातर अुकसा। हूं अण्टणीयां री नाड़ पर आपरे दांता सूं दबावू। हूं अण्टणी रे पाछेले भाग ने आपरी नास्यां सूं सूंघ अर फलेहमैन रा लखण दरसावू। हूं आपरी दोन्यूं टागां सूं अण्टणी रे खवां ने घेर लैवूं अर लारली टांगा बैरे कूल्हा रे दोन्यु ओर राखर बैस ज्यावू। हूं आपरे दांता रे दबावण सूं आपरो परेम दरसावूं जद



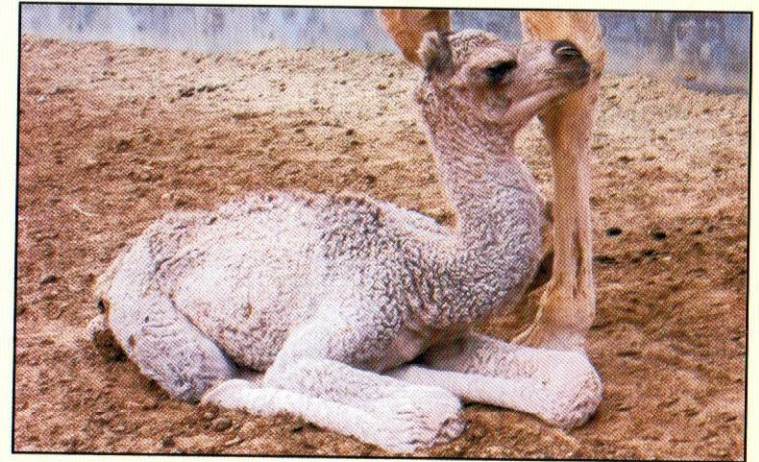
अूण्टणी समागम रे बखत अेक खास तरे री आवाज करै। आ अवस्था अंदाजन 5 सूं 10 मिनट तांअी रैवे अर लिंग सूं योनि मायं कअी बार वीर्य स्खलन होवे।

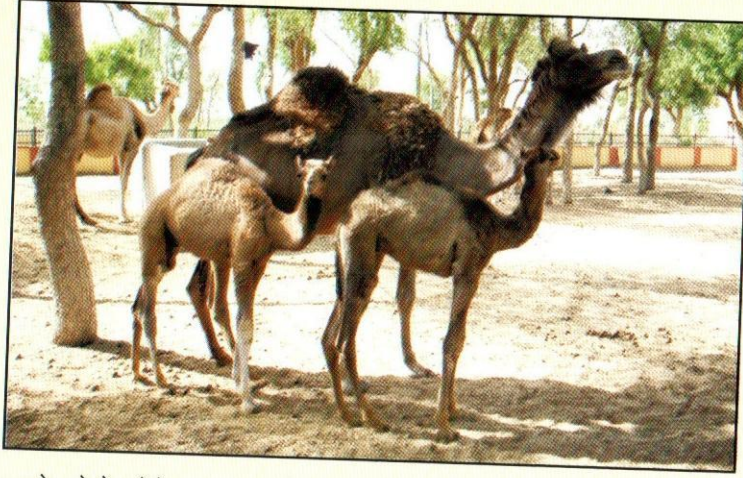
अूण्टणियां प्रजनन काल मायं अेकर ही ग्याभण होवे अर आवण आळे प्रजनन काल मायं टोडियो जणें। वै आगे आवण आळे प्रजननकाल तक लैंगिक रूप सूं निसकरीय रैवे। अिणी तरैया लांबे समै तांअी ब्यांत मायं अंतराल आ जावै जिको म्हनें पाळण वाळां खातर ठीक नीं होवें। अूण्टणियां गर्भाशय रे स्वस्थ होवण पर गर्भाधान रे खातार ल्याअी जावै अिसी स्थिति आदर्श पशुधन प्रबंधन प्रणाली रे अतर्गत जणन रे 25–30 दिन रे पाछे आ जावै। अिसी अूण्टणियां मायं जणण रे दो महीनां मायं संसर्ग अर गर्भाधारण होय सकै अर ब्यांत अंतराल अवधि मायं कभी हो सके। गरभकाल 385–380 दिनां रो होवे तथा जणण बखत जनवरी सूं मार्च तांअी होवे। जणन री बखत टोडिये रो बोझ 35–40 किग्रा होवे। म्हारो

वजन 500–750 किग्रा अर अूण्टणी रो वजन 400–600 किग्रा होवे। म्हारी अुमर अंदाजन 25 वरस री होवे। अूण्टणियां रा दूध 3 सूं 6 लीटर रोजाना होवे अर बे 14–16 महीना तांअी दूध देवती रैवे। दूध मायं प्रोटीन, वसा, खनिज लवण व विटामिन 'सी' घणी तादाद मायं होवे।

म्हारी जणण खिमता

म्हारी जणण खिमता कीं कारणोंसूं थोडी जाणी जावै। हर ब्यांत रे अेक बरस छोड़र अूण्टणियां आपरे जीवणे तांअी अंदाजन 12 टोडिया जण सके म्हां अूण्टमांय पूरी लैंगिक परिपक्वता अेक घणे धीमे तरीके सूं होवे अर जवानी आवण मांय 6 बरस सूं घणो समै लाग जावे। म्हाने पालण आळिया ने अण्डोत्सर्जन रे सही समै रो ठा करणो दोरो होवे कै हूं आपे आप अण्डोत्सर्जन करण आळी जात रो नीं हूं। कृत्रिम गर्भाधान री सफलता रे खातर अण्डोत्सर्जन रे सही समय रो अंदाजे करणो घणो जरूरी होवे पण अिणी हालतं मायं ओ





घणो दोरो होवे। जणण रो समै अेक लांबी व्यांत रो अंतराल हौवे जिको नी होवणो चाआीजै। अूण्टणियां हरेक गर्भावस्था रे पाछे खाली अेक टोडे ने जलम देवे। हारमानों रे अपचार सूं बहु-अण्डोत्सर्जन रे नतीजा घणो चोखा नी होवे। आीं कारण सूं भ्रूण प्रत्यारोपण तरीके सूं पैदा करण री खिमता में सुधार लावणो दोरो होवे। गर्भपात, शीघ्र भ्रूणीय मौत अर गर्भाशय सूं जुयोड्ये रोगों रे कारण सूं पैदा करण री खिमता में कमी हो ज्यावे। म्हारो चुणीजणो अर नसल सुधार खातर सही अवसर जठै ताआीं होय सके कोसिस करण री जरूरत होवे।

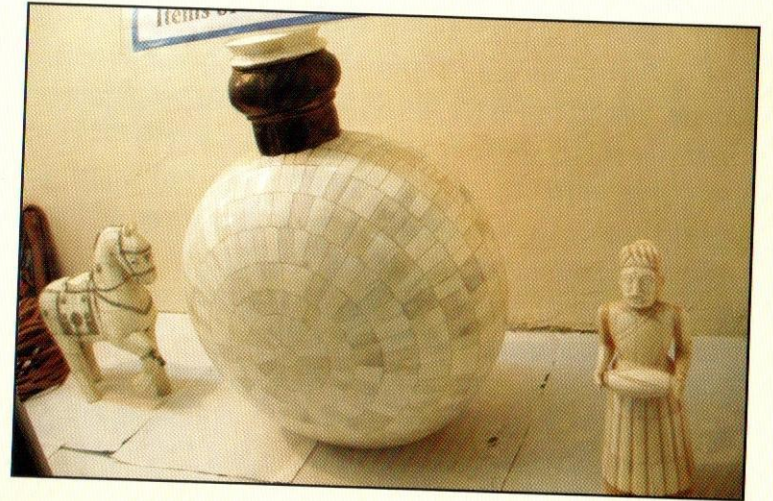
म्हारों स्वास्थ्य

म्हनें साधारण तरीके सूं कीं परजीवी संक्रमित बीमारियां जियां सर्सा या खाज आद हो जावै। खास विषाणु संबंधी बीमारियां जियां मुण्डे, खुर रोग, माता रोग, पैराइंप्लूएजा, रेबीज अर घणा छूत आळी बीमारियां हो ज्यावै। साधारण जीवाणु री बीमार्या जियां निमोनियां, दूध री गाढयां रो संक्रमण, ब्रूसेलोसिस, अंथ्रेक्स, टेटनस,

प्लेग अर क्षय जिसी बीमारियां रो खतरो बण्यौ रैवे। माता रोग, रेबीज अंथ्रेक्स, चींचड अर खाज आद जिसी बीमारियां होवे जिणसू मीनख भी संक्रमित हो जावे। माटी अर रेत सूं मिल्योडो चारो खावण सूं म्हारी खावण आळी नाळी मायं रोक आ जावे। अुपापचय अर कुपोषण सूं होवण आळी बीमारियां होवणो कोआी खास बात नीं हौवे। संगटित फारमां मांय कमजोर अर रोगी होवण सूं म्हनें दूजां सूं अळगै राख्यो जावें जिसूं म्हनें अेकलपणो मैसूस होवे। अिणी कारणों सूं म्हने की नी चावतां अर कुटेव जाणै नी खावण आळी चीजै नै खावणो, काटणों अर धरती पर पग पटकणा री बांण पड् ज्यावे।

घणे अुद्देश्यां री अुपयोगिता

सिगळी दुनियां मांय म्हने बोडो ढोवण, दूध, मांस अर खाल सूं बणियणोडी रे चीजां रे खातर अेक घणे जिनावरं रे रूप मायां





पाळ्यो जावे। भारत मायं म्हारी खाल अर हाडया सूं घणी उपयोगी जिंसा तैयार करी जावै। म्हारें बाळा सूं घणा चोखां डोरा तैयार होवे जिणसूं कपडा अर दूजी चीजां, हांथा सूं वणाअियोडी सोभा वाळी चीजां तैयार करी जावे। हूं ओज्यूं तांहीं गणतंत्र दिवस री परेड मायं भाग लैवूं हूं अर घूमणियां म्हारी पीठ पर चढर सवारी रो मजौ लैवे। हूं बां अण्ट पालणियां रे खातर रोजी रोटी रो सहारा हूं जिका म्हनें दूजे कारणों सूं पाळे।

रखरखाव पर खरचो

म्हारे रखरखाव पर होवण आळो खरचो आजकल बधरग्यो है। बाजार मायं म्हारी कीमत 15000 या अणिसूं घणी होयसकै जिको म्हारी लिंग, अुमर पर तय रैवे। जै म्हने विणज री चीजां रे लावण लेजावण, गाड़ा खींचण मायं लगा दैवे तो हूं अदांजन 400 रुपया या अणिसूं घणी कमाअी कर सकूं। चराअी री जगां मायं कमी होवण सूं

म्हने पालण आळा मजबूर होयर आपरै घर मायं म्हने अर्द्धगहन प्रबंध तरीका सूं भोजन अर चारो खुवावे। कदै कदै म्हारे घणी ने ओलागै के म्हनें पालण रे खातर धणो खरचो होवै। अिणी कारण जरूरत होवे के अण्टणियां रे दूध सूं बणियाडी चीजां ने लोकप्रिय बणायो जावे। म्हारी खाल अर हाडयां सूं बणियोडी चीजां री कीमत बधायी जावै। घोडे री दौड़ री तरियां अण्टा री दौड़ ने बढावो देवण री जरूरत होवे। म्हारें आवक अर जावक सूं रोक हटावण जणण सूं तादाद



बढावणो फायदेमंद होय सकै। खेती अर बोझो ढोवण आळे कामां मायं म्हारे अुपयोग बढावण री जरूरत है। कै म्हारे पालणियां ने पर्यावरण खराब नी करियां बिना जैव अुर्जा मिल सकै अर मीनख रे स्वास्थ हेतु अुपयोगी बणायो जा सकै। अिणी खातर पर्यटन उद्योग अर सुरमयी रेगिस्तानी संस्करति मायं म्हारी अुपयोगिता सही करता सही संरक्षण रो अुपाय करणो होसी।

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र रो बड़ाजी गाण

रा.अु.अ.के., बीकानेर सेहर सूं अदांजन 10 किलोमीटर दूर है। ओ आखी दुनियां मायं म्हारें पर खोज करण आळो सबसूं चौखो



केन्द्र है। ओ 1984 सूं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली री अगुवाजी मायं काम करे है। केन्द्र अलग अलग खोज संबंधी मामला मायं म्हारीं तादाद मायं बढ़ोतरी अर संरक्षण, कम लागत सूं बण्योड़े संतुलित खाणे रो विकास, पहली आमाशय जीविता व गतिकी, दूध री खिमता मायं बढ़ोतरी व आदमी री बीमारयां रो अिलाज मायं घणो गेहरो प्रतिरक्षा रे अुपयोग, रोग रो पर्यवेक्षण, देख रेख अर नियंत्रण अर अूण्ट सूचना केन्द्र बणावण सारू महताअू योजनाओं पर विचार कर म्हारे आवण आळे बखत ने चोखो बणावण री सुरुआत करीजी है। केद्रं चयनित प्रजनन प्रणाली सू लियोडा म्हारे मांय सू 270 घणा चोखा अूण्टां ने बधाया है। खेती अर पसुधन रे परिदृश्य मायं होवण आळे बदळाव, खासकर मसीनीकरण रे बदलाव रे खातर केद्रं भारत रे

रेतीली धोरां रे गांव आळे लोग बांगा रे जीवनं मांय सांस्कृतिक पैहचाण, जिन्दगी री कीमत अर आर्थिक महत्व ने दुबारा थरपणा करण रो निहचै कियो है।

रा अु अ केद्रं बीकानेर मायं खास पर्यटन आळी जगां मायं ज्याणो जावे है। हर साल हजारों री तादाद मायं पर्यटक म्हनें अर म्हारी आदता ने देखण अर अनुभव करणने आवै। केद्रं वैज्ञानिकां,



सैलाणियां, पसुपालकां, किसानां अर ग्रामीण समितियां ने आपणी ओर हेलो करे। ओ केन्द्र म्हारे संग्रहालय सूं पर्यटकों ने रेगिस्तानी अवस्थाओं मायं म्हारी विकास री जातरा अर खोज संबंधी जाणकारी दैवे है। अठै मिल्क पार्लर मायं दूध सूं बणियोड़ी घणकरी चीजां बिके है। हर बरस हजारों री गिणती मायं परदेसी अर भारत रा घूमण आळा पर्यटक केद्रं मायं घूमण खातर आवे। केन्द्र ओं क्षेत्र मायं म्हारे चरावण आळे रे घणकरें समाज अर आर्थिक बढ़त खातर जी जाण सूं समरपित होवे।



जिनावर अिता घणो मीत होवे के बे नी कोओी सवाल बूझे, नी कोओी और बखाण करें।
- जार्ज अिलयट